अध्यक्ष महोदय : यह स्टेटमेंट आ रहा है डाक्टर साहब।

डा० राम मनोहर लोहिया : उसी संबंध में मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं....

अध्यक्ष महोदय : स्टेटमेंट आ जाने दीजिए तब....

डा० राम मनोहर लोहिया : वह नहीं आ रहा है। छागला साब सिर्फ सर्वे आफ इंडिया पर बोल रहे हैं....

अध्यक्ष महोदय : अब आप स्टेटमेंट आने दीजिए तो मैं देखूंगा कि क्या बोल रहे हैं वह और फिर आपको भी सुन लूंगा।

डा० राम मनोहर लोहिया : यह तो आपके खुद के कागज में लिखा है कि सर्वे आफ इंडिया पर वह बोल रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : उनका स्टेटमेंट आने दीजिए, मैं आपको इजाजत दे दूंगा, मैं कह रहा हूं।

Papers to be laid. Shri Sachindra Chaudhuri.

12.37 hrs.

RE. MOTIONS FOR ADJOURNMENT

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय मैं आपसे थोड़ा सा निवेदन करना चाहता हूं....

अध्यक्ष महोदय : ठहरिये। देखिये इस तरह से तो नहीं हो सकता है।

श्री बागड़ी : मेरा जो कामरोको प्रस्ताव है उसके ऊपर मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। यह इस तरह से तो कामरोको प्रस्ताव को टालने की कोशिश की जा रही है। क्योंकि हिन्दुस्तान के क्षेत्रफल का सवाल है, भारत की सीमा का संबंध है और बहुत जरूरी है... (व्यवधान)... एक मिनट आप पूरा मुझे सुन लें। औरों की भी तो सुनते हैं। लोक सभा की बुनियाद तभी है जब सारे भारत की सीमा की बात को खास तौर से अहमियत दी जाय। अगर यही कामरोको प्रस्ताव नहीं बनता है तो और कोई कामरोको प्रस्ताव नहीं बन सकता। मैं तीन नियम आपके सामने रखना चाहता हूं, आप सुन लीजिए...

अध्यक्ष महोदय : अब यह तो रोज ही पढ़ते हैं और सबको पता है

श्री बागड़ी (हिसार) : तो अध्यक्ष महोदय, रोज पढ़ते हैं तो इन तीन नियमों में यह कामरोको प्रस्ताव आता है और मैं निवेदन करूंगा कि अगर इसको टाल दिया गया तो भारत की जनता का जो भारत की रक्षा के प्रति मन है और लोक सभा के प्रति जो श्रद्धा है वह दोनों ही टूट जायगी कि लोक सभा में लोग भारत की सीमाओं और क्षेत्रफल के ऊपर भी....

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर अब आप बैठ जाइये। मैंने सुन लिया। (व्यवधान) बैठ जाइए, मैंने कहा आपसे कि आप बैठ जाइये।

एक एडजर्नमेंट मोशन मुझे कल भी दिया गया और पहले भी दिया गया था और मैं इसको नामंजूर किया है। जो तीन नियम वह पढ़ना चाहते हैं वह हर एक रोज हाउस में पढ़ता है और हमें पता है: मगर मैंने कल कहा था कि लेटेस्ट पब्लिकेशन जो उनका था वह भी सन् 1964 का था। आज कोई नयी चीज नहीं हुई है। डाक्टर शाहा ने कहा था कि मैंने परसों पढ़ा है। मैंने कहा था कि यह कोई काज नहीं हो सकता कि मेम्बर की नोटिस में देर से आता है तो यही काज हो जाय....

श्री मौर्य (अलीगढ़) : लाइब्रेरी में कल ही आया है।

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद): अध्यक्ष महोदय, अब तो मुझे एक इत्तिला दे देने दीजिए। मैंने कल यूनाइटेड नेशन्स के इत्तिला केन्द्र से बात की। वहां श्री बेरी से मालूम पड़ा कि 1964 की किताब आखीरी किताब है और वह फरवरी में आयी है। भारतवर्ष में जो इसकी अकेली दुकान है हमने उनसे पता लगाया, उनके यहां अप्रैल में आयी। फिर आपके पुस्तकालय में मैंने पता लगाया कि यहां कब आयी तो सुब्रह्मण्यम साहब ने बताया कि यह पुस्तक उनके पास 12 अप्रैल, सन् 1966 को आयी।

अब इससे ज्यादा ताजा और क्या सवाल हो सकता है? इस के अलावा मैं आप को बतलाऊं कि कल यहां पर सरकार ने खुद जो आंकड़े दिये हैं भारत के क्षेत्रफल के, जो उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को भेजे 32 लाख कुछ हजार उस के मुकाबले में तो उस से तो अब मुझे और ज्यादा हैरत हो रही है। करीब 2 लाख 60,000 वर्ग किलोमीटर का फर्क पड़ जाता है इसलिए यह सब ताजा ताजा चीजें हैं जोकि कल उन्होंने बतलाई हैं। कल जब सरकार ने बतलाया तो पहले तो किसी को मालूम ही नहीं था कि भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र को आंकड़े साल के साल भेजा करती है। भारत सरकार ने जो आंकड़े भेजे संयुक्त राष्ट्र को उसे मैं आप को खाली पढ़ कर बताता हूं। कल 16 मई को उन्होंने बतलाया कि 1963 में क्षेत्रफल था 32 लाख 76 हजार वर्ग किलोमीटर और 1964 में 32 लाख 76 हजार और कुछ सौ वर्ग किलोमीटर होता है। उसी को जो सयुक्त राष्ट्र की आखिरी ताजा किताब है उस ने छापा तो बताया है कि 1964 में 36 लाख 46 हजार और 32 लाख 76 हजार तो अब आप देखें कि कितना फर्क पड़ जाता है। 2 लाख 30 हजार वर्ग किलोमीटर का फर्क पड़ जाता है। हम को मालूम है कि भारत सरकार ने....

अध्यक्ष महोदय: क्या एजुकेशन मिनिस्टर साहब इस बारे में स्टेटमेंट देने के लिए तैयार हैं?

12.40 hrs.

STATEMENT RE: AREA OF INDIA AS PUBLISHED BY U.N.O., AND THE SURVEY OF INDIA IN 1959 AND 1964

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): I am going to deal with both the survey of India publication and the UN Book.

Mr. Speaker: Is he ready with the information just now? If he is, he may give it just now, since the question has been raised.

Shri M. C. Chagla: Shall I read out the statement just now?

Shri Hem Barua (Gauhati): How is it that you have taken up that item now? It is out of order. You have gone beyond the List of Business today. This item figures as item No. 20 on the Order Paper.

Mr. Speaker: We are now on the question about the adjournment motion.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): Are you not taking item by item?

श्री मधु लिमये (मुंगेर): कामरोको प्रस्ताव को लेकर चर्चा हो रही है तो इस में आप का हेम बरूआजी क्या ऐतराज है? काम रोको प्रस्ताव को प्राथमिकता मिलती है।

अध्यक्ष महोदय: सवाल एडजोर्नमेंट मोशन का उठा है और उस का संबंध उस स्टेटमेंट से है जोकि मिनिस्टर साहब देने वाले हैं तो अगर वह स्टेटमेंट अभी कर दें और उससे जरूरी फैक्ट्स आ जायें तो इस में क्या हर्ज है?

Shri M. C. Chagla: Mr. Speaker, Sir, In his speech on 14th May 1966 in the Lok Sabha Dr. Ram Manohar